निर्माता बनने जा रही हैं अभिनेत्री स्वरा भास्कर

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

स्वरा ने एक बयान में कहा कि पिछले डेढ़ साल से कहानीवाले के विचार पर काम हो रहा था। कहानीवाले का उद्देश्य नयी और सशक्त कहानी कहने वाली अच्छी पटकथाओं और फिल्म निर्माताओं का सहयोग करना है जिसे उसे दिखाने के लिए मंच नहीं मिला। ईशान ने कहा कि प्रोडक्शन हाउस का लक्ष्य दमदार और नए विषय को सहायता देना होगा।

अभिनेत्री स्वरा भास्कर नयी और सशक्त कहानी कहने के लिए फिल्म निर्माताओं को मदद करने के उद्देश्य से अपना एक फिल्म निर्माण बैनर शुरू करने जा रही हैं। बहुप्रशंसित अभिनेत्री ने अपने भाई ईशान भास्कर के साथ 'कहानीवाले' के लिए हाथ मिलाया है। स्वरा ने एक बयान में कहा कि पिछले डेढ़ साल से कहानीवाले के विचार पर काम हो रहा था। कहानीवाले का उद्देश्य नयी और सशक्त कहानी कहने वाली अच्छी पटकथाओं और फिल्म निर्माताओं का सहयोग करना है जिसे उसे दिखाने के लिए मंच नहीं मिला। ईशान ने कहा कि प्रोडक्शन हाउस का लक्ष्य दमदार और नए विषय को सहायता देना होगा।

अगली फिल्म के लिए मुझे दुबला-पतला दिखना होगा आमिर

मुझे नहीं पता कि कौन सी पटकथा चुनूंगा क्योंकि मैंने अभी किसी पर भी 100 फीसदी ध्यान नहीं दिया है लेकिन एक महीने में ही पता चल जाएगा। संभवत: मैं इसे प्रोड्यूस करुंगा।''

सुपरस्टार आमिर खान के पास अगली फिल्म का चुनाव करने के लिए ''चार अच्छी पटकथा'' हैं और अभिनेता ने कहा कि उन्होंने किसी खास प्रोजेक्ट पर ध्यान केंद्रित नहीं किया है लेकिन वह ऐसी फिल्म में काम कर सकते हैं जिसमें उनका किरदार ''दुबले'' व्यक्ति का होगा। ''ठग्स ऑफ हिंदुस्तान'' के अभिनेता ने कहा कि वह एक महीने के भीतर यह निर्णय कर लेंगे कि वह कौन सी फिल्म कर रहे हैं। आमिर ने एक समूह साक्षात्कार में कहा, ''इस बार मेरे पास चार अच्छी पटकथाएं हैं। मुझे नहीं पता कि कौन सी पटकथा चुनूंगा क्योंकि मैंने अभी किसी पर भी 100 फीसदी ध्यान नहीं दिया है लेकिन एक महीने में ही पता चल जाएगा। संभवतरू मैं इसे प्रोड्यूस करुंगा।'' उन्होंने कहा कि वह फरवरी से किरदार के लिए सही रूप में आने के वास्ते फिर से अपना संतुलित आहार और वर्कआउट शुरू करेंगे। उन्होंने कहा, ''मैं अपनी अगली फिल्म के लिए तैयारी शुरू करुंगा क्योंकि मुझे दुबला-पतला दिखना है। दो फिल्मों पर विचार चल रहा है और दोनों में ही मुझे पतला दिखना होगा।'' ऐसी अफवाहें हैं कि आमिर ''महाभारत'' पर अपनी महत्वाकांक्षी श्रृंखला बना रहे हैं इसके बारे में पूछे जाने पर अभिनेता ने कहा, ''मैंने कभी महाभारत की घोषणा नहीं की। आप सभी ने मान लिया कि मैं यह बना रहा हूं तो आप माने कि मैं नहीं बना रहा। जब मैं ऐसा कुछ बनाना चाहूंगा तो आपको बताऊंगा।''

अभिनेता अपने आगामी प्रोडक्शन ''रुबरु रोशनी'' का प्रचार करने के लिए मीडिया से मुखातिब हुए थे। स्वाति चक्रवर्ती भटकल के निर्देशन वाली यह फिल्म दुख और माफकरने की असल जिंदगी की तीन कहानियों पर आधारित है। आमिर ने कहा कि वह अपने बेटे जुनैद के फिल्मों में पदार्पण के लिए सही कहानी की तलाश कर रहे हैं लेकिन साथ ही उन्होंने जोर दिया कि जुनैद को इसके लिए स्क्रीन टेस्ट पास करना होगा।उन्होंने कहा कि उनके 26 वर्षीय बेटे की फिल्मों को लेकर पसंद उनके जैसे ही है लेकिन उन्हें कोई फिल्म साइन करने से पहले उस किरदार के लिए अपनी काबिलियत साबित करनी होगा।अभिनेता ने कहा कि जुनैद ने अभिनय का प्रशिक्षण लिया है और वह नाटकों में भाग लेता रहा है। उन्होंने कहा कि वह चाहेंगे कि उनका बेटा एक ''हीरो'' के बजाय दमदार भूमिकाएं निभाए।

नारों से नहीं, समाज में बदलाव से आता है राष्ट्रवाद

जावेद अख्तर

जावेद अख्तर ने कहा, ''नहीं, राष्ट्रवाद या देशभक्ति नारेबाजी करने या आपसे असहमत लोगों से नफरत करने के बारे में नहीं बल्कि राष्ट्रवाद और देशभक्ति एक जीवनशैली है। यह समाज के मुद्दों पर गौर करने, बदलाव लाने के बारे में है और समाज में इन छोटे मुद्दों की पड़ताल करके हम भारत माता की सेवा कर सकते हैं।''

जाने-माने पटकथा लेखक एवं गीतकार जावेद अख्तर ने बुधवार को कहा कि राष्ट्रवाद या देशभक्ति 'नारेबाजी' करने या 'असहमति' जताने वालों से घृणा करने के बारे में नहीं, बल्कि यह एक जीवनशैली और समाज में बदलाव लाने के बारे में है। वह सिम्बायोसिस इंस्टीट्यूट ऑफमैनेजमेंट स्टडीज द्वारा यहां आयोजित 'फेस्टिवल ऑफथिंकर्स' को संबोधित कर रहे थे। अख्तर ने कार्यक्रम में कहा, ''आज हमने सामाजिक प्रतिबद्धता, असली राष्ट्रवाद जैसी कई चीजों को पीछे छोड़ दिया है--आज हम राष्ट्रवाद, देशभक्ति जैसे शब्द सुनते हैं--आज, भारत राष्ट्रवादियों और राष्ट्र विरोधियों के बीच बंटा हुआ और अगर आप किसी बात पर किसी से असहमत होते हैं तो आप राष्ट्र विरोधी हैं।''उन्होंने कहा कि देशभक्ति या राष्ट्रवाद की नारेबाजी और आपसे असहमत लोगों से घृणा करने के रूप में गलत व्याख्या की गई है। उन्होंने कहा, ''नहीं, राष्ट्रवाद या देशभक्ति नारेबाजी करने या आपसे असहमत लोगों से नफरत करने के बारे में नहीं बल्कि राष्ट्रवाद और देशभक्ति एक जीवनशैली है। यह समाज के मुद्दों पर गौर करने, बदलाव लाने के बारे में है और समाज में इन छोटे मुद्दों की पड़ताल करके हम भारत माता की सेवा कर सकते हैं।''

मुस्लिम होकर ठाकरे का रोल प्ले करने पर

बोले नवाजुद्दीन

मैं किसी विचारधारा की पैरवी नहीं करता

अभिनेता ने कहा, ''मेरी कोई विचारधारा, दर्शन या ऐसी कोई राय नहीं है। मैं जल्दी से कोई धारणा बनाने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं एक कलाकार हूं और मेरा काम उन किरदारों को निभाना है जो मुझे उत्साहित करें।

अभिनेता नवाजुद्दीन सिद्दीकी का कहना है कि वह किसी विचारधारा की पैरवी नहीं करते क्योंकि इससे एक कलाकार के तौर पर उनका विकास रुक सकता है। शिवसेना के पूर्व प्रमुख बाल ठाकरे की जीवनी पर आधारित फिल्म 'ठाकरे' में वह बालासाहेब की भूमिका में नजर आएंगे। 1960 के दशक में ठाकरे ने ''महाराष्ट्र, महाराष्ट्र वालों के लिए'' नारे को बुलंद किया था। नवाजुद्दीन ने कहा कि ऐसी कोई भी विचारधारा किसी कलाकार के विकास को बाधित कर सकती है। अभिनेता ने कहा, ''मेरी कोई विचारधारा, दर्शन या ऐसी कोई राय नहीं है। मैं जल्दी से कोई धारणा बनाने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं एक कलाकार हूं और मेरा काम उन किरदारों को निभाना है जो मुझे उत्साहित करें। अगर मेरी कोई एक विचारधारा होगी तो इससे एक कलाकार के तौर पर मेरा विकास बाधित होगा।'' नवाजुद्दीन ने कहा कि उन्हें लगता है कि वह खुशकिस्मत हैं कि उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने को मिल रहे हैं। ।अभिनेता ने बालासाहेब से पहले उर्दू लेखक सआदत हसन मंटो का किरदार भी बड़े पर्दे पर निभाया था। फिल्म 'ठाकरे' इस शुक्रवार बड़े पर्दे पर रिलीज होगी।